

---

pa nchadevatAstotram

पञ्चदेवतास्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : panchadevatAstotram

File name : panchadevatAstotram.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Author : Traditional

Transliterated by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com

Proofread by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com, NA

Description-comments : From Brihatstotraratnakara with 408 stotras

Latest update : June 5, 2016

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

पञ्चदेवतास्तोत्रम्



श्रीगणेशाय नमः ।

गणेशविष्णुसूर्येशदुर्गाभ्यं देवपञ्चकम् ।

वन्दे विशुद्धमनसा जनसायुज्यदायकम् ॥ १ ॥

ऐक्यरूपान् भिन्नमूर्तीन् पञ्चदेवान्नमस्कृतान् ।

वन्दे विशुद्धभावेनेशाम्भेनैकरदाय्युतान् ॥ २ ॥

कल्याणदायिनो देवान्नमस्कार्यात्मडौजसः ।

विष्णुशम्भुशिवासूयगणेशाभ्यान्नमाम्यहम् ॥ ३ ॥

ऐकात्मनो भिन्नरूपान् लोकक्षणतत्परान् ।

शिवविष्णुशिवासूर्यडेरम्बान् प्रणमाम्यहम् ॥ ४ ॥

दिव्यरूपानेकरूपान्नारूपान्नमस्कृतान् ।

शिवाशङ्करडेरम्भविष्णुसूर्यान्नमाम्यहम् ॥ ५ ॥

नित्यानानन्दसन्दीडदायिनो दीनपालकान् ।

शिवाय्युतगणेशेनदुर्गाभ्यान् नौम्यहं सुरान् ॥ ६ ॥

कमनीयतनून्देवान् सेवावश्यान् कृपावतः ।

शङ्करेनशिवविष्णुगणेशाभ्यान्नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

सूर्यविष्णुशिवाशम्भुविद्यराजाभिधान्-सुरान् ।

ऐकरूपान् सदा वन्दे सुभसन्दीडसिद्धये ॥ ८ ॥

डरौ डरे तीक्ष्णकरे गणेशे शक्तौ न भेदो जगदादिडितेषु ।

अधः पतन्त्येषु भिदां दधाना भाषान्त अ एवं यततोऽय्यताश्रमाः ॥ ९ ॥

एति श्रीमदय्युताश्रमविरचितं पञ्चदेवतास्तोत्रम् संपूर्णम् ॥

*panchadevatAstotram*

pdf was typeset on September 17, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

